M.A. Semester I Examination, 2014
HINDI
Paper : II

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) त्याग और क्षमा, तप और विद्या, तेज और सम्मान के लिए है— लोहे और सोने के सामने सिर झुकाने के लिए हम ब्राह्मण नहीं बने हैं। हमारी ही दी हुई विभूति से हमें ही अपमानित किया जाय ऐसा नहीं हो सकता।

(ख) कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भाव भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को अपना पता नहीं रहता।

(ग) मेरे पास अब बहुत साल नहीं हैं जीने को। पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी।

(घ) इसप्रकार अभ्यास और वैराग्य से चित्त स्थिर होता है और बुद्धि निर्मल होती है– केवल उसी समय परम सत्य का साक्षात्कार होता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'आधे-अधूरे' का विवेचन कीजिए।

(ग) 'रामचंद्र शुक्ल के निबंधों में हृदय और बुद्धि का समन्वय है"– सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(घ) 'भारतीय संस्कृति की देन' निबंध के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? सोदाहरण उल्लेख कीजिए।